Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding storage problems faced by farmers of Bihar.

श्री जर्नादन सिंह सीग्रीवाल (महाराजगंज): उपाध्यक्ष महोदय, अपने देश की आधे से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर करती है। इसलिए अन्नदाता किसानों का बहुत बड़ा महत्व है। आज़ादी के बाद से किसानों के महत्व को जिस तरीके से समझने की जरुरत थी, वह नहीं समझा गया। जिस कारण से किसान की स्थिति दयनीय होती चली गई, लेकिन आज खुशी की बात है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने किसानों की दयनीय स्थिति को सुधारने के लिए गंभीरतापूर्वक कार्य करते हुए देश के किसानों की आय को दोगुना बढ़ाने की दिशा में अनेकों योजनाओं को लागू किया है।

उपाध्यक्ष महोदय, किसानों की आय को दोगुना करने के लिए व्यवहार में लाई गई सभी योजनाओं के अलावा एक अन्य सबसे महत्वपूर्ण योजना बनाकर किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है। यह योजना किसानों के घरों, दलानों और बथानों में ही उनकी उत्पादन क्षमतानुसार उत्पादित फसल के भंडारण हेतु सरकार के सहयोग से स्टोरेज और कूलिंग चेन (आधुनिक तकनीक वाला) की लघु ईकाई स्थापित करने की हो सकती है। ऐसी योजना को लागू करने से देश के अन्दर भंडारण के अभाव में प्रतिवर्ष लाखों-लाख टन किसानों के उत्पादित माल को बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। इस बचाव से भी किसानों की आमदनी में काफी वृद्धि होगी।

उपाध्यक्ष महोदय, इसलिए आपके माध्यम से सरकार से मेरी माँग है कि किसानों के अन्न/उत्पादित माल के सुरक्षित भंडारण हेतु किसानों के घरों, दलानों और बथानों में ही सरकार के सहयोग से स्टोरेज और कूलिंग चेन की लघु ईकाई स्थापित करने की योजना जल्द से जल्द बनाई जाए, ताकि विपरीत मौसम में भी

किसान अपने उत्पादित माल को सुरक्षित रखकर उचित समय आने पर बाजार में बिक्री कर लाभ प्राप्त कर सकें।

महोदय, अंत में मैं आपके माध्यम से सरकार से यह भी आग्रह करना चाहता हूँ कि इस योजना का शुभांरभ हमारे गृह प्रदेश बिहार से किया जाए, क्योंकि बिहार में बाढ़ और बरसात के मौसम में राज्य के किसानों को अन्न और उत्पादित फसल के भंडारण की समस्या सबसे अधिक झेलनी पड़ती है, जिससे उनको काफी आर्थिक नुकसान होता है।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद है।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Harish Meena,

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Shri Sharad Tripathi and

Shri C.P. Joshi are permitted to associate with the issue raised by Shri Janardan Singh Sigriwal.